(b) whether this college will be continued after the opening of the four evening colleges by Delhi University; and

(c) if not, whether the Camp College staff would be fully absorbed in these colleges?

**The Minister of State in the Ministry of Education and Scientific Research (Dr. K. L. Shrimali):** (a) and (b). It is proposed to continue the Punjab University (Camp) College pending its gradual conversion into one of the four evening colleges which are proposed to be set up under the aegis of the University of Delhi. Some negotiations have already taken place between the Vice-Chancellors of the Universities of Punjab and Delhi in regard to the nature of arrangements to be made for the closure of the Panjab University (Camp) College classes and their gradual replacement by the Delhi University courses and a certain phased programme in this connection has been worked out.

(c) Every effort will be made to absorb the present staff in the proposed evening colleges.

### राजपत्रित और अराजपत्रित पदाधिकारी

*७६६. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारत सरकार के राजपत्रित और अराजपत्रित पदाधिकारियों का भेद किस आधार पर किया जाता है ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार)** : ऐसे कोई खास नियम नहीं हैं जिनके मुताबिक किसी पोस्ट को गजटेड या नान गजटेड में शुमार किया जाये । इसके लिए उस पोस्ट की ड्यूटी और जिम्मेदारी को ध्यान में रखा जाता है ।

### Survey Settlement in Tripura

*770. **Shri Dasaratha Deb:** Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that old survey settlement papers of Kamalpur Sub-Division of Tripura had been destroyed by fire; and

(b) if so, whether Government have taken any steps to resurvey it?

**The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar):** (a) Yes.

(b) A Survey Scheme for the whole of Tripura, including Kamalpur, has been sanctioned by the Government of India, and work has already started in the Sadar sub-division and will be extended to Kamalpur shortly.

### हिन्दी विभाग में अनुसंधान सहायक

*७७३. **श्री पहाड़िया** : क्या शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १५ जनवरी, १९५८ तक मंत्रालय के हिन्दी विभाग में कितने अनुसंधान सहायक कार्य कर रहे थे;

(ख) इन सहायकों ने कितने शब्द अथवा उनके पर्यायवाची शब्द बनाये और ये शब्द किन-किन विषयों के हैं; और

(ग) कितने शब्द स्वीकृत और प्रकाशित किये जा चुके हैं ?

**शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली)** : (क) २९.

(ख) इन अनुसन्धान सहायकों ने ३१-१२-१९५७ तक ११०,१२४ पारिभाषिक शब्द बनाये । जिन-जिन विषयों के शब्द बनाये गये उनके सम्बन्ध में एक विवरण सभापटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ४, अनुबन्ध संख्या ७९]

(ग) केबिनेट लगभग १२,००० शब्दों का अनुमोदन कर चुकी है और वे प्रकाशित भी हो चुके हैं ।